॥ मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई भजन ॥

Chalisamantras.com

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई,
जाके सर मोर मुकुट, मेरो पति सोई ।

कोई कहे कारो, कोई कहे गोरो,
लियो है अँखियाँ खोल,
कोई कहे हलको, कोई कहे भारो,
लियो है तराजू तौल ।
मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई...

कोई कहे छाने, कोई कहे छुवने,
लियो है बजन्ता ढोल,
तन का गहना मैं सब कुछ दीन्हा,
लियो है बाजूबंद खोल ।
मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई...

असुवन जल सींच सींच प्रेम बेल बोई,
अब तो बेल फ़ैल गयी,
आनंद फल होई ।
मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई...

तात मात भ्रात बंधू,
आपणो ना कोई,
छाड़ गयी कुल की कान,
का करीहे कोई ।
मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई...

चुनरी के किये टोक,
ओढली लिए लोई,

Chalisamantras.com

मोती मूंगे उतार,
बन माला पोई ।
मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई...

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com